IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

माध्यमिक स्तर के छात्रों के शैक्षणिक विकास में सोशल मीडिया की भूमिका

पिन्टू रंजन प्रसाद

गवेषक, शिक्षा विभाग, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा

एवं

डा0 कुमारी स्वर्ण रेखा

असिस्टेंट प्रोफेसर, बी.एड. रेगुलर मोड, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय, ल0 ना0 मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा

सार–संक्षेप

वर्तमान में सोशल मीडिया एक ऐसा माध्यम है जिसकी पहुँच का दायरा विश्वव्यापी है। सोशल मीडिया के आ जाने से मुख्य रूप से माध्यमिक स्तर के छात्रों के शैक्षिक गतिविधियों में व्यापक परिवर्तन आया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सऐप, टेलीग्राम आदि के कारण छात्रों को अध्ययन के लिए एक नया प्लेटफॉर्म मिला है। कोविड–19 के दौरान शैक्षणिक गतिविधियों में विराम सा लग गया था, लेकिन इसी बीच जूम और गूगल मीट जैसे एजुकेशनल प्लेटफॉर्म के कारण ऑनलाइन शिक्षा विद्यार्थियों को आसानी से मिल सकी। जूम और गूगल मीट के माध्यम से शिक्षक और छात्र दोनों के बीच वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर पठन–पाठन की गतिविधियाँ तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इसके अलावा आज शिक्षाविद फेसबुक लाइव के द्वारा छात्रों को शिक्षा दे रहे हैं। जिससे न केवल छात्रों को ज्ञान प्राप्त हो रह है बल्कि उनकी बौद्धिक क्षमताओं

का विकास भी हो रहा है जिसका स्पष्ट सकारात्मक प्रभाव उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पड़ रहा है।

शब्द कुंजी : सोशल मीडिया, बौद्धिक क्षमता, शैक्षिक विकास आदि।

प्रस्तावना

वर्तमान युग को सोशल मीडिया का दौर कहा जाता हैं। सोशल मीडिया में स्वयं की सक्रिय भागीदारी होती है जिससे प्रयोक्ता अधिक अपनापन महसूस करता है। वह खुलकर अपनी बात रख सकता है तथा दूसरों की प्रतिक्रियाएँ जान सकता है। सोशल मीडिया की ही देन है कि फेसबुक, ऑरकुट, ब्हाटस ऐप आदि को विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय सोशल साइट कहा जाता है। सोशल मीडिया द्वारा हम अपने सम्पर्कों का दायरा बढ़ाते हुए अधिक से अधिक लोगों तक अपने विचारों का आदान–प्रदान कर सकते हैं।[1] सोशल मीडिया एक अपरम्परागत मीडिया है। यह एक वर्चुअल वर्ल्ड बनाता है जिसमें इंटरनेट के माध्यम से पहुँच बना सकते हैं। सोशल मीडिया एक विशाल नेटवर्क है, जो कि सारे संसार को जोड़े रखता है। यह संचार का एक बहुत अच्छा माध्यम है। यह द्रुत गति से सूचनाओं के आदान–प्रदान करने, जिसमें हर क्षेत्र की खबरें होती हैं, को समाहित किए होता है।

सोशल मीडिया एक तरह से दुनिया के विभिन्न कोनों में बैठे उन लोगों से संवाद कर सकते हैं जिनके पास इंटरनेट की सुविधा है। इसके जरिए ऐसा औजार पूरी दुनिया के लोगों के हाथ लगा है, जिसके जरिए वे न सिर्फ अपनी बातों को दुनिया के सामने रखते हैं, बल्कि वे दूसरी बातों सहित दुनिया की तमाम घटनाओं से अवगत भी होते हैं। इतना ही नहीं, इसके जरिए यूजर हजारों लोगों तक अपनी बात महज एक क्लिक की सहायता से पहुँचा सकता है। अब तो सोशल मीडिया सामान्य संपर्क, संवाद या मनोरंजन से इतर शिक्षा के विकास में भी सहायता करता है।[2] ज्ञातव्य है कि शिक्षा एवं आर्थिक क्षेत्र को सुलभ एवं सभी तक पहुँचाने में सोशल मीडिया ने महती भूमिका निभाई है।

शिक्षा के क्षेत्र में सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हुए, यानि किसी से कुछ पूछते, अनुरोध करते, आदेश देते, समझाते या बताते हुए मनुष्य अपरिहार्यतः अपने सामने दूसरे मनुष्य को प्रभावित करने, उससे वांछित उत्तर पाने, उसे अपने कार्य की पूर्ति के लिए प्रेरित करने और जो बात

उसकी समझ में नहीं आई है, उसे समझाने का उद्देश्य रखता है। सूचना संचार एवं तकनीक के उद्देश्य लोगों की संयुक्त सक्रियता की आवश्यकता को प्रतिबिंबित करता है। स्पष्ट है कि सोशल मीडिया के द्वारा शिक्षा का उचित प्रबन्धन करने में सहायता मिलती है। शिक्षा के उद्देश्यों का व्यवस्थित प्रबन्धन, पाठ्यचर्या प्रबन्धन, शिक्षण विधि प्रबन्धन, विद्यालयी अनुशासन प्रबन्धन, मूल्यांकन प्रबन्धन में सूचना संचार एवं तकनीक के अनुप्रयोग के पक्षपात रहित दृष्टिकोण अपनाकर कार्य करने में सहूलियत मिलती है। इसके अलावा सूचना संचार एवं तकनीक शिक्षा के क्षेत्र में नवीन प्रयोगों, शोध कार्यों व अध्ययनों के लिए अवसर प्रदान करती है। इसके माध्यम से आधुनिक युग में आंकड़ों का संकलन करना तथा उनका विश्लेषण करना अत्यन्त सरल हो गया है।[3]

वर्तमान समय में सोशल मीडिया ने शिक्षा को बहुत अधिक प्रभावित किया है। आज शिक्षा को गति प्रदान करने का श्रेय सोशल मीडिया को ही जाता है। सम्पूर्ण शिक्षा प्रक्रिया में विद्यार्थी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अतः बढ़ते हुए तकनीकी प्रभाव में विद्यार्थी के लिए सोशल मीडिया अनुप्रयोग अनिवार्य होता जा रहा है। छात्र अपने उद्देश्यों को तभी पूर्ण कर सकता है जब वह शिक्षा के क्षेत्र में होने वाले दिन–प्रतिदिन तकनीकी परिवर्तनों से अवगत हो। मात्र अवगत होना ही पर्याप्त नहीं वरन् स्वयं को उसके अनुप्रयोग में कुशल भी बनाना आवश्यक है क्योंकि सोशल मीडिया के प्रयोग ने शिक्षा के क्षेत्र में अनेक क्रांतिकारी परिवर्तन किये हैं।

आज विषय–वस्तु को आकर्षक व रोचक बनाने के लिए व किसी भी विषय पर नवीन और श्रेष्ठ जानकारी प्राप्त करने के लिए, ऑनलाइन शिक्षा के लिए सोशल मीडिया पर सुविधा उपलब्ध है, परन्तु विद्यार्थी इस सुविधा का तभी लाभ उठा सकते हैं जब वे इंटरनेट अनुप्रयोग में दक्ष हों। अतः कम्प्यूटरीकृत समाज में समायोजनपूर्ण निर्वहन करने तथा अपने कार्य को सरलतापूर्वक सम्पन्न करने हेतु विद्यार्थियों के लिए सोशल मीडिया का अनुप्रयोग अत्यंत आवश्यक है। इसके साथ–साथ विद्यार्थियों को अपने क्षेत्र में हो रहे तकनीकी परिवर्तन एवं उनके प्रभावों के प्रति सजग रहना आवश्यक है।[4]

गुगल पर सभी विषयों की जानकारी उपलब्ध है। विद्यार्थी अपनी आवश्यकतानुसार इसका उपयोग करते हैं। हाँ यह जरूर ध्यान रखने की बात है कि सोशल मीडिया का नकारात्मक उपयोग भी छात्रों द्वारा संभव है। क्योंकि फिल्म एवं मनोरंजन से तमाम सुविधा भी इस पर उपलब्ध है। अगर छात्र सोशल मीडिया से जुड़े उपयोग मनोरंजन के लिए करेंगे तो उनका शैक्षणिक

विकास अवरूद्ध होता तथा यदि इसका उपयोग वह अपने पढ़ाई के लिए करेंगे तो उनका शैक्षणिक विकास सही रूपों में होगा। कारण कि विभिन्न तरह के ट्यूशन एवं कोचिंग संस्थान ऑफलाइन के साथ–साथ ऑनलाइन वर्ग संचालन करती है तथा ऑनलाइन शिक्षण सामग्री भी उपलब्ध कराती है। इससे छात्रों को शैक्षिक विकास में काफी मदद मिलती है।

आज शिक्षा के क्षेत्र में सोशल मीडिया अनुप्रयोग के बिना शिक्षण की कल्पना करना भी मुश्किल हो गया है। यही कारण है कि आज शिक्षा के हरेक स्तर पर सोशल मीडिया का उपयोग किया जा रहा है। आज विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में सोशल मीडिया व्यापक रूप से प्रवेश कर चुका है। यह आज अध्ययन व शिक्षण में सहायक के रूप में कार्य कर रहा है जिसके कारण छात्र के ज्ञान में वृद्धि हो रही है और उसका शैक्षणिक विकास हो रहा है।

निष्कर्ष

इंटरनेट, मोबाइल फोन, मोबाइल एप्लिकेशन, टैबलेट, लैपटॉप और अन्य आधुनिक उपकरणों के विकास के कारण आज की दुनिया की अधिक से अधिक चीजें डिजिटल हो रही हैं। भारत के महानगरों और अन्य शहरों की शिक्षा प्रणाली भी काफी हद तक आधुनिकीकृत हो गई है, जिससे डिजीटलीकरण के लिए रास्ता बन गया है। डिजिटल शिक्षा कई अंतर्राष्ट्रीय स्कूलों के साथ–साथ भारत की पारंपरिक शिक्षा प्रणाली में अपनी जगह बना रही है और पारंपरिक कक्ष प्रशिक्षण का स्थान ले रही है। जिसके कारण आधुनिक युग में अधिगम और सरलीकृत हो गया है साथ ही विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि में भी वृद्धि हुई है। विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि ज्ञात करने के लिए निदानात्मक परीक्षण किया जाता है। मूल्यांकन के पश्चात् प्राप्त परिणामों के आधार पर निम्न श्रेणी प्राप्त विद्यार्थियों को अतिरिक्त कक्षाओं में अध्यापन कार्य कराया जाता है जिसके कारण छात्रों को वृहतर स्तर पर ज्ञान प्राप्त हो रहा है जिससे न केवल उसकी बौद्धिक क्षमता का विकास हो रहा है बल्किही उसकी शैक्षणिक उपलब्धि भी बेहतर हो रही है। अतः निष्कर्षतः हम कह सकते हैं कि छात्रों के शैक्षणिक विकास में सोशल मीडिया बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

संदर्भ :

1. चतुर्वेदी, जगदीश्वर (2014) : सूचना समाज, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ0 89
2. जोशी, आर.एस. (2012) : मिडिया और बाजार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ0 109
3. कुमार, आर (2013) : इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं साइबर संचार पत्रिका, नटराजन प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ0 56
4. गुप्ता, विनीता (2018) : ''संचार और मीडिया शोध'' वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली, पृ0 121